वेद विभूषण प्रथम वर्ष (पूर्वानुसार षष्ठ वर्ष) पाठ्यक्रम

ऋग्वेद शाकल शाखा

अष्टकः	**अध्यायाः**	**वर्गाः**	**ऋचः**
षष्ठ	१ - ८	४५२	२३७६
सप्तम	१ - ४		आदितः
ऐतरेय ब्राह्मणम्	प्र. अ.		कण्ठस्थिकरणम्

शुक्लयजुर्वेद काण्व शाखा

- शुक्लयजुर्वेद काण्व संहिता पुरुषसूक्त, उत्तरनारायण सूक्त, विष्णु सूक्त सरस्वती सूक्त, मेधा सूक्त एवं रुद्राध्याय के प्रथम अनुवाक के पद एवं क्रम पाठ का अभ्यास
- शुक्लयजु: प्रातिशाख्यानुसार पद पाठ एवं क्रमपाठ के स्वर संधिविषयक सूत्रों का सार्थ अध्ययन
- अष्टविकृतिलक्षण - सोदाहरण (चरणव्यूहानुसार) एक - एक मन्त्र का
- निघण्टु - १ - २ अध्यायः (कण्ठस्थीकरण)
- बृहदारण्यकोपनिषद् - १- ३ अध्याय (कण्ठस्थीकरण)

शुक्लयजुर्वेद माध्यन्दिन शाखा

- जटाघनविकृतीनां पाठः एकैकस्य मन्त्रस्य (लक्षणोदाहरणसहितम्)
- पाणिनीयशिक्षा
- पिङ्गलछन्दःसूत्रम्
- याजुष् ज्योतिषम्
- अधोलिखितानां वैदिक सूक्तानां पदपाठः क्रमपाठश्च -

  (१) शान्तिसूक्तम् - "आनोभद्रा" इत्यारभ्य "यतोयतः" मन्त्रपर्यन्तम्

  (२) शिवसङ्कल्पसूक्तम्　(३) पुरुषसूक्तम्　(४) उत्तरनारायणसूक्तम्　(५) विष्णुसूक्तम्

  (६) रुद्रसूक्तम्　(७) शान्त्यध्यायः "ऋचं वाचम्" (शुक्लयजुर्वेदसंहिता ३६ अध्यायः)

  (८) सरस्वतीसूक्तम्　(९) मेधासूक्तम्　(१०) आब्रह्मन् ब्राह्मणः

  (११) शुक्लयजुःसंहितायाः तृतीयाध्यायस्य पदपाठः
- बृहदारण्यकोपनिषद् (१ - ३ अध्याय)

कृष्णयजुर्वेद तैत्तिरीय शाखा

- तैत्तिरीय संहिता षष्ठ काण्ड १ से ६ प्रश्नः
- तैत्तिरीय ब्राह्मण ७ से ९ प्रश्नः
- काठक प्रश्न १ से ३ प्रश्नः

सामवेद राणायनीय शाखा एवं कौथुम शाखा

- पूर्वार्चिक सम्पूर्ण पदपाठः महानाम्नि पर्यन्तम्
- उत्तरार्चिके अ. १ तः ५ अ. पर्यन्तम् पदपाठः
- छान्दोग्योपनिषत् अ. १ तः ३ अ. पर्यन्तम्
- ऊहगाने - दशरात्रम्, संवत्सरम्, एकाहम्

सामवेद जैमनीय शाखा

- नारदीय शिक्षा प्रथम प्रपाठक् , केनोपनिषद् , जैमिनीय आर्षेय ब्राह्मण, तलवकार, उपनिषद् , जैमिनीय महाब्राह्मण १ काण्ड कण्ठस्थीकरण

अथर्ववेद शौनक शाखा

- अथर्ववेद अष्टादश काण्डा आरम्भ से एकोनविंशति काण्ड तक (कण्ठस्थीकरण)
- एकस्य काण्ड पदपाठ, गोपथ ब्राह्मण पूर्वभाग, कौशिक गृह्यसूत्र परिचय
- निरुक्त द्वितीय अध्याय व्याख्या सहित

अथर्ववेद पैप्पलाद शाखा

- सप्तदश अष्टादशकाण्ड सम्पूर्ण सूक्त संख्या १३९ मन्त्र संख्या ११६१ (कण्ठस्थीकरण)
- कर्म पञ्जिका सर्व कर्म सामान्य विधेय बहि शालादि तन्त्र प्रायश्चित्तान्ता (कण्ठस्थीकरण)

संस्कृत

- मीमांसा परिभाषा - स्वाध्याय विचार धर्म लक्षण, धर्म स्वरूप विचार, विधि निरूपण, विधेर्भेदा, अर्थवाद निरूपण, मन्त्र निरूपण, मन्त्र विभाग, मानधेय निरूपण, नामधेय भेद, स्मृति निरूपण, निषेध निरूपण, शाब्दी-भावना निरूपण, आर्थी-भावना निरूपण, अपूर्व निरूपण
- मनुस्मृति - द्वितीय अध्याय १०१ श्लोक समाप्ति तक
- श्रीमद्भगवद्गीता - द्वितीय अध्याय पद-पदार्थ सहित

अंग्रेजी

- Revision of previous lessons
- Narration - direct & Indirect
- Modal Auxiliaries
- Essay Writing
- My First steps
- Kamla Das - My Grandmother's House
- E. Wallace - A case of suspicion

गणित

- पिछले पाठों को दोहराना
- चाल
- दूरी व समय
- प्रतिशत
- प्रारम्भिक ज्यामितीय आशय एवं आकार, त्रिकोण एवं वृत्त सहित
- उपरोक्त विषयों के अनु प्रयोग

सामाजिक विज्ञान

- भारतीय कलाओं का परिचय (ललित कलाएँ एवं अन्य)

- भारतीय गुरुकुल शिक्षा
- पर्यावरण प्रदूषण एवं निवारण
- भारतीय वर्तमान शिक्षा व्यवस्था के गुण दोष
- भारत में पुरातत्त्व खोज एवं संरक्षण
- भारत की प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक विरासत
- भारत के तीर्थस्थल एवं उनका महत्त्व

वेद विभूषण द्वितीय वर्ष (पूर्वानुसार सप्तम वर्ष) पाठ्यक्रम

ऋग्वेद शाकल शाखा

अष्टकः	अध्यायाः	वर्गाः	ऋचः
सप्तम	५ - ८	३६६	१९०८
अष्टम	१ - ८ (१२)		आदितः
ऐतरेयारण्यकम्	प्र.अ.		कण्ठस्थिकरणम्

शुक्लयजुर्वेद काण्व शाखा

- पुरुषसूक्त, उत्तरनारायणसूक्त, विष्णुसूक्त, सरस्वतीसूक्त, राष्ट्रसूक्त, मेधासूक्त एवं रुद्राध्याय के प्रथम अनुवाक का जटा, माला, शिखा एवं घन विकृतिपाठ का अभ्यास
- निघण्टु ३ - ५ अध्याय (कण्ठस्थीकरण)
- बृहदारण्यकोपनिषद् - ४ - ६ अध्याय (कण्ठस्थीकरण)

शुक्लयजुर्वेद माध्यन्दिन शाखा

- अधोलिखितानां जटाघनविकृतीनां पाठः -

  (१) शान्तिसूक्तम् (२) शिवसङ्कल्पसूक्तम् (३) पुरुषसूक्तम् (४) उत्तरनारायणसूक्तम्
  (५) विष्णुसूक्तम् (६) रुद्रसूक्तम् (७) शान्यध्यायः (८) सरस्वतीसूक्तम्
  (९) मेधासूक्तम् (१०) आब्रह्मन् ब्राह्मणः (११) नमः शम्भवाय (१२) त्र्यम्बकम्
  (१३) अस्मेरुद्राः (१४) विश्वानिदेव (१५) अश्मन्नूर्जम्
- शुक्लयजुःप्रातिशाख्यम् (सम्पूर्णम्)
- बृहदारण्यकोपनिषद् - ४ - ६ अध्याय (कण्ठस्थीकरण)
- निघण्टुः (सम्पूर्ण १ - ५ अध्याय)

कृष्णयजुर्वेद तैत्तिरीय शाखा

- तैत्तिरीय संहिता सप्तम काण्ड १ से ५ प्रश्नः
- तैत्तिरीय आरण्यक १ से १० प्रश्नः

सामवेद राणायनीय शाखा एवं कौथुम शाखा

- उत्तरार्चिके अ. ६ तः २१ पदपाठः
- ऊहगाने अहीनपर्वतः रहस्यान्तम् , ताण्ड्यमहब्राह्मण अ. १ पूर्ण
- छान्दोग्योपनिषत् अ. ४ तः ८ पर्यन्तम्

सामवेद जैमनीय शाखा

- नारदीय शिक्षा द्वितीय प्रपाठक, जैमिनीमहाब्राह्मण ३ काण्ड, जैमिनीय उपनिषद् कण्ठस्थीकरण

अथर्ववेद शौनक शाखा

- विंसतितम काण्ड सम्पूर्ण (कण्ठस्थीकरण)
- गोपथ ब्राह्मण उत्तरभाग (कण्ठस्थीकरण)
- यथा - सामनस्य, ब्रह्मचर्य सूक्त, भूमि सूक्त, नक्षत्र सूक्त, पुरुष सूक्त, शान्ति सूक्तिमिति
- प्रथम काण्ड सहित अतिपय सूक्त भाष्य अध्ययन
- निरुक्त सप्तम अध्याय व्याख्या सहित

अथर्ववेद पैप्पलाद शाखा

- ऊनविंश, विंशति काण्ड सम्पूर्ण कण्डिक (सूक्त) संख्या १११ मन्त्र संख्या १५४६ (कण्ठस्थीकरण)
- अथर्वण ज्योतिष
- प्रथम काण्ड कतिपय सूक्त भाष्य अध्यापन

संस्कृत

- पाणिनीयशिक्षा - अर्थसहित
- श्रीमद्भगवद्गीता - ११ या १७ वाँ अध्याय
- लघुसिद्धान्तकौमुदी - समासप्रकरण
- संस्कृत में निबन्ध लिखना

अंग्रेजी

- Revision of previous lessons
- comprehension of unseen passages
- Translation - from Sanskrit to English & Vice - versa
- Vocabulary building
- Precis writing
- Jawaharlal Nehru - India - Her Past and Future
- K. A. Abbas - Bholi

गणित

- पिछले पाठों को दोहराना
- समानान्तर रेखाओं और त्रिकोण की संरचना
- एकरूपता का आशय एवं त्रिकोणों की एकरूपता
- त्रिकोणों की विषमता, पाइथागोरस प्रमेय, उसका सत्यापन एवं अनुप्रयोग
- त्रिकोणात्मक क्षेत्र, तुरक्षरीय एवं वृत्त
- २ डी और ३ डी आंकड़े का परिचय
- वर्गमूलघातांक एवं उनके नियम
- बीजगणितीय आशय, उनके एक एवं दो परवर्ती के योग एवं घटाव
- सरल रेखीय समीकरण एवं उनके अनुप्रयोग
- पाठ या विषयों के सम्बन्ध में स्टेट शिक्षा बोर्ड द्वारा निर्धारित पुस्तकों से परामर्श लिया जा सकता है।

सामाजिक विज्ञान

- भारतीय संस्कृति का विश्व पर प्रभाव
- भारतीय संस्कृति पर वैश्वीकरण का प्रभाव
- भारतीय शिक्षा पद्धति और नैतिक मूल्य
- विश्व शान्ति में भारत की भूमिका
- भारत की वर्तमान समस्याएँ एवं निदान के प्रयास
- भविष्य के स्वर्णिम भारत निर्माण की योजनाएँ